

इंडियन साइन लैंग्वेज की पाठ्यपुस्तकों का वमिोचन

चर्चा में क्यों?

14 नवंबर, 2021 को हरयाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बाल दविस पर गुरुग्राम के श्रवण एवं वाणी नःशिक्तजन कल्याण केंद्र द्वारा नःशिक्तजनों के लयि तैयार की गई 5वीं कक्षा तक की इंडियन साइन लैंग्वेज की पाठ्यपुस्तकों का वमिोचन कयि। ऐसी पाठ्यपुस्तकें देश में पहली बार तैयार की गई हैं।

प्रमुख बदि

- 6 वर्ष तक की आयु के तथा पहली से पाँचवी कक्षा तक के मूक-बधरि बच्चों के लयि इस केंद्र ने पाठ्यपुस्तकें तैयार की हैं उससे हरयाणा प्रदेश के साथ देश के श्रवण एवं वाणी नःशिक्तजनों को लाभ होगा।
- उल्लेखनीय है कि देश में मूक-बधरि व्यक्तियों की संख्या लगभग 50 लाख है और हरयाणा में ऐसे लगभग डेढ़ लाख व्यक्ति हैं।
- इस कल्याण केंद्र में साइन लैंग्वेज के साथ-साथ डजिटिल साइन लैंग्वेज की लैब बनाई गई है जहाँ पर श्रवण एवं वाणी नःशिक्तजनों के लयि 600 से ज़्यादा वीडियो बनाए गए हैं, जनिका प्रयोग कोवडि के दौरान हुआ।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कल्याण केंद्र के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वदियार्थियों को भी सम्मानति कयि। इसके अलावा, उन्होंने इस केंद्र को 350 लैपटॉप देने वाली कॉल्ट कंपनी और अर्ली इंटरवेशन सेंटर के संचालन में सहयोग देने के लयि 2 डजिटिल स्क्रीन तथा 17 स्टॉफ के सदस्य उपलब्ध करवाने वाली बैचटल कंपनी के प्रतिनिधियों को भी सम्मानति कयि।
- हरयाणा राज्य सड़क विकास नगिम ने भी इस केंद्र को लगभग 48 लाख रुपए के आईटी उपकरण व 140 टैबलेट उपलब्ध करवाए हैं।